



# रियाद एयरपोर्ट पर हमले में एक अमेरिकी समेत 12 की मौत, 309 घायल

रियाद (सऊदी अरब)
सऊदी अरब की राजधानी रियाद के किंग खालिद अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर शनिवार को हमले में एक अमेरिकी समेत कम से कम 12 लोग मारे गए और 309 दूसरे घायल हो गए। सऊदी अरब के जनरल अर्थॉरिटी ऑफ सिविल एविएशन ने कहा कि मृतकों में चार सऊदी नागरिक, दो बांग्लादेशी और मिस्र, जॉर्डन, सीरिया, फिलिस्तीन और सुडान का एक-एक व्यक्ति शामिल है।

अधिकारियों ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि घायलों का स्थानीय अस्पतालों में इलाज चल रहा है। अनेक लोगों की हालत गंभीर है। ईरान समर्थित आतंकी समूह हूती ने इस हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है। गल्फ न्यूज और सीबीएस न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, हमले के बाद हवाई अड्डे का कामकाज रोक दिया गया। हवाई अड्डे को नुकसान पहुंचा है। अधिकारी इसका आकलन कर रहे हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि वह जल्द ही कोई न कोई फैसला लेंगे। विदेश सचिव मार्को रूबियो ने कहा, ' अमेरिका सऊदी अरब पर हूती के हमलों को कड़ी

निंदा करता है। उन्होंने कहा कि रियाद एयरपोर्ट पर हुए हमले में एक अमेरिकी नागरिक समेत कई बेगुनाह लोगों की जान चली गई।' विदेश विभाग के एक प्रवक्ता ने कहा कि ट्रंप प्रशासन ने सऊदी अरब के अधिकारियों से बात की है।

#### हूती ने अमी तक हमले की जिम्मेदारी नहीं ली

आतंकी संगठन हूती ने अभी तक शनिवार के हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है। हालांकि, हूती ने इस हफ्ते की शुरुआत में इस हवाई अड्डे पर हमले का दावा किया था। हमले में एक पायलट समेत तीन सऊदी मारे गए थे।

बताया गया है कि शनिवार को एक मिसाइल ने डोमेस्टिक फ्लाइट्स के टर्मिनल 3 और 4 वाले एक कॉम्प्लेक्स पर हमला किया। यमन में संयुक्त राष्ट्र के विशेष दूत हैंस ग्रंडबर्ग ने शनिवार के हमले को क्षेत्रीय सुरक्षा के लिए एक गंभीर खतरा बताया है।

#### उड़ानों को दूसरी जगह डायवर्ट कर दिया गया

इस हमले के बाद फ्लाइटरिडार 24 ट्रैकर ने कहा कि उड़ानों को दूसरी जगह डायवर्ट कर दिया गया। अमेरिका, ब्रिटेन, जर्मनी, ऑस्ट्रेलिया और कनाडा जैसे देशों ने नागरिकों को एयरपोर्ट से दूर रहने की चेतावनी दी

गई। रियाद एयरपोर्ट पर हमला ऐसे समय पर हुआ, जब बड़े इंटरनेशनल एनर्जी कॉन्फ्रेंस की तैयारी की जा रही थी। यह कॉन्फ्रेंस रविवार को होनी है। फ्लाइट-ट्रैकिंग साइट फ्लाइटअवेयर के मुताबिक, पिछले 24 घंटों में रियाद एयरपोर्ट पर कम से कम 291 फ्लाइट्स कैसिल कर दी गई। ताजा हमले से पहले एयर इंडिया, फ्लाईदुबई, लुपथार्स ग्रुप और पाकिस्तान इंटरनेशनल एयरलाइंस उन एयरलाइंस में शामिल हैं जिन्होंने अलग-अलग समय के लिए रियाद और दूसरे सऊदी एयरपोर्ट्स से आने-जाने वाली फ्लाइट्स को निलंबित कर दिया था।

### न्यूज़ ब्रीफ

**बलोचिस्तान के पंजगुर में सेना के दो वाहन हथियारबंद लोगों के हमले में नष्ट**



ब्वेटा (बलोचिस्तान) पाकिस्तान। बलूचिस्तान के पंजगुर जिले के पंछी में हथियारबंद लोगों ने पाकिस्तानी सेना के वाहनों को हमला किया। स्वचालित हथियारों से किए गए हमले में सेना के दो वाहन नष्ट हो गए। इस हमले में अनेक सैनिकों के मारे या घायल होने की आशंका जताई गई है। द बलोचिस्तान पोस्ट की रविवार की रिपोर्ट के अनुसार यह हमला शनिवार को किया गया। इसके अलावा इसी रोज कलात जिले के दशत-ए-बाबा इलाके में हथियारबंद लोगों ने पाकिस्तानी सेना पर भारी हमला किया। इस हमले में भी सैनिकों के मारे जाने और घायल होने की खबरें हैं। इस हमले के कुछ मिनटों बाद हथियारबंद लोगों ने नुश्की जिले के रीकों में सेना के कैप में राशन ले जा रही एक गाड़ी पर कब्जा कर लिया। कल हुए हमले की जिम्मेदारी अभी तक किसी संगठन ने नहीं ली है। इस मीडिया प्लेटफार्म की शनिवार की रिपोर्ट के अनुसार प्रांत के बरखान इलाके में सरती की जगह से 10 लोगों के गैर बरामद हुए हैं। इनकी पहचान कोहलू जिले के अलग-अलग इलाकों के रहने वालों के रूप में हुई है। पहचाने गए लोगों में पैदा खान, हसनखान, शेर मोहम्मद इकबाल खान, मजार खान, दीन मोहम्मद, गहर मोहम्मद, वजीर खान, दामर बख्श और सैयद खान हैं। इनमें से एक की पहचान इकबाल नवाब के तौर पर हुई है, जिसे पाकिस्तानी सेना ने 26 दिसंबर, 2025 को बरखान जिले में सेशन कोर्ट के सामने से गायब कर दिया था।

#### रूसी तेल सौदे पर ट्रंप का विरोध कर रहे सांसद लाएंगे विधेयक



वॉशिंगटन। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का रूस से तेल खरीदने का फैसला अमेरिका में एक बड़े राजनीतिक विवाद का विषय बन गया है। इस कदम के खिलाफ अब उनकी अपनी रिपब्लिकन पार्टी के सांसद भी खड़े हो गए हैं, जिन्होंने रूस से तेल खरीद पर रोक लगाने के लिए एक नया विधेयक लाने की घोषणा की है। रिपब्लिकन सांसद ब्रायन फिट्जजैट्रिक ने यह विधेयक लाने का ऐलान किया है, जिसे डेमोक्रेटिक और रिपब्लिकन दोनों पार्टियों का समर्थन मिल रहा है। हालांकि, प्रतिनिधि सभा का मौजूदा कार्यकाल जनवरी में समाप्त होने वाला है, जिससे इस विधेयक के कानून बनने की राह आसान नहीं दिख रही। फिट्जपैट्रिक ने बताया कि वह रूस से तेल की किसी भी तरह की खरीद पर रोक लगाने के लिए एक ऐसा विधेयक पेश करेंगे, जिसे दोनों पार्टियों का समर्थन हासिल होगा। कांग्रेस के यूक्रेन कॉकस के सह-अध्यक्ष फिट्जपैट्रिक ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जानकारी दी कि इस विधेयक का नाम रोनाल्ड रीगन पीस थ्रू स्ट्रेथ एक्ट रखा जाएगा। उनके मुताबिक, वह इस विधेयक को सदन के पटल पर लाने के लिए डिस्चार्ज प्रक्रिया का इस्तेमाल करेंगे, जिससे पर्याप्त सांसदों के समर्थन से इसे संबंधित समिति की मंजूरी के बिना भी सदन में चर्चा और मतदान के लिए लाया जा सकता है। उन्होंने भरोसा जताया कि यह विधेयक भारी बहुमत से पारित होगा। फिट्जपैट्रिक की इस पहल को रिपब्लिकन सांसद डॉन बेकन का भी समर्थन मिला है।

#### मुख्यमंत्री के आसार: पाकिस्तान में गरीबी दर छह साल में 6.4 प्रतिशत बढ़ी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में वर्ष 2018-19 से 2024-25 के बीच तीन डॉलर प्रतिदिन की गरीबी रेखा के आधार पर गरीबी दर में 6.4 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। एक हालिया रिपोर्ट के अनुसार, कौविड- 19 महामारी, 2022 की विनाशकारी बाढ़ और देश के व्यापक आर्थिक संकट को इस वृद्धि के प्रमुख कारणों में शामिल किया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक, मध्य पूर्व, उत्तरी अफ्रीका और अफगानिस्तान-पाकिस्तान क्षेत्र (मेनाप) की अत्यंत गरीब आबादी में पाकिस्तान की हिस्सेदारी लगभग आधी है। यह क्षेत्र दुनिया का एकमात्र ऐसा क्षेत्र है जहां गरीबी का स्तर महामारी से पहले के स्तर से ऊपर बना हुआ है और इसमें लगातार वृद्धि हो रही है। इस क्षेत्र में प्रतिदिन तीन डॉलर से कम पर गुजारा करने वाले लोगों में लगभग 48 प्रतिशत अकेले पाकिस्तान में रहते हैं। वहीं, अफगानिस्तान, सीरिया और यमन की संयुक्त हिस्सेदारी लगभग 47 प्रतिशत है। सबसे हालिया अनुमानों के अनुसार, जिबूती, पाकिस्तान, सीरिया और यमन में प्रतिदिन तीन डॉलर की गरीबी रेखा के नीचे रहने वाली आबादी का अनुपात 20 प्रतिशत के करीब पहुंच गया है या उससे अधिक हो गया है। रिपोर्ट में क्षेत्रीय और वैश्विक गरीबी के आंकड़ों की तुलना करते हुए बताया गया है कि वर्ष 2024 में मेनाप क्षेत्र की 14.3 प्रतिशत आबादी प्रतिदिन तीन डॉलर से कम पर जीवनयापन कर रही थी, जबकि वैश्विक स्तर पर यह आंकड़ा 10.4 प्रतिशत था।

## नईदुनिया

# रियाद एयरपोर्ट पर हमले में एक अमेरिकी समेत 12 की मौत, 309 घायल

# नेपाल के गोरखा में अचानक आई बाढ़ से भारी तबाही, 35 मकान बहे ; कई पुल ध्वस्त

काठमांडू
नेपाल के गोरखा जिले के चुमन्ब्री गांवपालिका में रविवार सुबह अचानक भीषण बाढ़ आ गई। बुढीगंडकी नदी में आई बाढ़ से पैयू और बगर गांवों के 35 मकान बह गए। बाढ़ के कारण कई गांवों में व्यापक नुकसान हुआ है, जबकि कई मोटर पुल और झुला पुल भी बह गए हैं। प्रशासन ने नदी के निचले तटीय इलाकों में रहने वाले लोगों को सतर्क रहने और सुरक्षित स्थानों पर जाने की अपील की है। गोरखा के प्रमुख जिला अधिकारी धरेन्द्र कुमार मिश्र ने बताया कि रविवार सुबह 4 बजकर 35 मिनट पर बड़ी बाढ़ आने की सूचना मिली। स्थिति का जायजा लेने के लिए नेपाली सेना का हेलीकॉप्टर भेजने की तैयारी की जा रही है।

चुमन्ब्री गांवपालिका के अध्यक्ष निमा लामा के अनुसार, गांवपालिका स्थित चुम्के खोला में भूस्खलन के कारण नदी का बहाव अवरुद्ध हो गया था। इसके बाद अचानक बाढ़ आ गई। बाढ़ पूर्वानुमान महाशाखा ने लोगों को सतर्क करने के लिए एसएमएस अलर्ट जारी किया है। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने भी नदी किनारे रहने वाले लोगों को सावधानी बरतने की सलाह दी है। चुमन्ब्री गांवपालिका की उपाध्यक्ष लक्ष्मी गुरुङ के मुताबिक, बाढ़ से दोभान, घट्टेखोला, जगत और सल्लेरी गांवों में व्यापक क्षति हुई है। बाढ़ में आरुघाट गांवपालिका के सोती और मान्चु को जोड़ने वाला मोटर पुल बह गया। पुलिस के अनुसार, चुमन्ब्री गांवपालिका के न्याकचेत में न्याकचेत और सिर्दिबास को जोड़ने वाला पुराना झुला पुल भी बह गया है।

इसी तरह धार्चे गांवपालिका के माछीखोला से करौजा को जोड़ने वाला झुला पुल और आरुघाट गांवपालिका



#### भीषण बाढ़ के पीछेमनास्लु क्षेत्र में हिमस्खलनकी आशंका

नेपाल के गोरखा जिले में आई भीषण बाढ़ के पीछे मनास्लु हिमालय क्षेत्र में हिमस्खलन होने की आशंका जताई जा रही है। हालांकि, अभी इसकी पुष्टि नहीं हुई है। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने बताया कि एक स्थानीय व्यक्ति ने हिमस्खलन के बाद बाढ़ आने की सूचना दी है, लेकिन इसकी जांच की जा रही है। प्राधिकरण के कार्यकारी प्रमुख डॉ. धर्मराज उप्रेती के अनुसार, बाढ़ चुमन्ब्री गाउँपालिका के उत्तरी क्षेत्र से आई प्रतीत होती है। नक्शे के अध्ययन से यह इलाका मनास्लु क्षेत्र से जुड़ा हुआ दिखाई देता है। उन्होंने बताया, ‘बाढ़ लोक्पा और घुम्लिङ के उत्तर की ओर से आई है। नक्शे में देखने पर यह मनास्लु के निचले जलग्रहण क्षेत्र जैसा दिखाई देता है। यह क्षेत्र मनास्लु हिमाल से जुड़ा है। पानी तोमखोला, स्यामखोला और चुलिङखोला होते हुए नीचे आता है।’ डॉ. उप्रेती के मुताबिक, बाढ़ से सिर्दिबास, जगत, यारु, तातोपानी, माथिखोला, सोती और आरुखेत होते हुए आरुघाट तक भीतिक नुकसान हुआ है। उन्होंने बताया कि आरुघाट में काफी नुकसान हुआ है और वहां का पुल भी बाढ़ में बह गया है। क्षेत्र में मौजूद जलविद्युत परियोजना के बुनियादी ढांचे और निर्मित इमारतों को भी बाढ़ ने बहा दिया है हालांकि, अभी तक इस बाढ़ में किसी के हताहत होने की जानकारी नहीं मिली है। प्राधिकरण के कार्यकारी प्रमुख ने स्पष्ट किया कि हिमस्खलन को बाढ़ का कारण मानना फिलहाल केवल प्रारंभिक अनुमान है। उन्होंने बताया कि लोक्पा में संघर्ष में आए एक स्थानीय व्यक्ति ने हिमस्खलन को अपनी आंखों से देखने का दावा किया है। स्थानीय व्यक्ति की सूचना के आधार पर आशंका है कि हिमस्खलन का मलबा नीचे की ओर आया और रास्ते में कई जगह पानी या मलबा रुकने तथा फिर बहने की प्रक्रिया के कारण बाढ़ आई हो सकती है।

तथा 3 को जोड़ने वाला सोती स्थित लोहे का पक्का पुल भी बाढ़ की चपेट में आकर बह गया।

बाढ़ के खतरे को देखते हुए सिर्दिबास तथा धार्चे गांवपालिका के खोलाबेसी, माछाखोला, सोती, आर्खेत

और आरुघाट क्षेत्र के लोगों से सुरक्षित स्थानों पर जाने की अपील की गई है। जिला पुलिस कार्यालय गोरखा के पुलिस निरीक्षक आकाश कंडेल ने बताया कि प्रभावित क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को सतर्क रहने और संभावित

### होर्मुज जलडमरूमध्य में तेल टैंकर में भीषण विस्फोट



तेहरान। दुनिया की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने वाले महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग होर्मुज जलडमरूमध्य में इन दिनों समुद्री हमलों का भय बना हुआ है। ईरान ने हाल ही में एक वीडियो जारी कर दावा किया है कि इस जलडमरूमध्य से बाहर निकलने की कोशिश कर रहा एक बड़ा तेल टैंकर समुद्री बारुदी सुरंग (सी-माईस) की चपेट में आ गया, जिसके बाद वह धू-धू कर जलने लगा। कथित तौर पर अमेरिका समर्थित दक्षिणी ओमानी समुद्री गलियारे से गुजरते समय हुए इस भीषण विस्फोट के बाद टैंकर पूरी तरह लपटों में घिर गया। ईरान के दावे के अनुसार, इस टैंकर में सऊदी अरब का लगभग 2 मिलियन बैरल तेल लदा हुआ था। अमेरिका और इजरायल द्वारा ईरान पर हमले के बाद से, वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति के लिए महत्वपूर्ण होर्मुज जलडमरूमध्य में तनाव काफी बढ़ गया है। ईरान पहले भी आधा ध्वन से अधिक जहाजों को निशाना बनाने का दावा कर चुका है। हालांकि, घटना के समय टैंकर की पहचान, चालक दल के सदस्यों की स्थिति और संभावित नुकसान के बारे में विस्तृत जानकारी अभी सामने नहीं आई है, और ईरान के इन दावों की स्वतंत्र पुष्टि भी नहीं हुई है।

# लॉन्ग मार्च के बीच पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में आपातकाल की घोषणा कभी भी

इस्लामाबाद
पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के इस्लामाबाद की ओर बढ़ रहे लॉन्ग मार्च के बीच संघीय सरकार खैबर पख्तूनख्वा (केपी) में कभी भी आपातकाल की घोषणा कर सकती है। राजधानी के ऐवान-ए-सद्र में प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी के बीच शनिवार की लंबी कशमकश के बाद खैबर पख्तूनख्वा में यह फैसला लिया गया है। द न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार इसके बाद ऐवान-ए-सद्र में दोनों की मौजूदगी में उपप्रधानमंत्री और विदेश मंत्री इशाक डार, राजनीतिक मामलों के सलाहकार राणा सनाउल्लाह, गृहमंत्री मोहसिन नकवी, कानूनमंत्री आजम नजीर तारार और अन्य से राय ली गई। अन्य लोगों में

पीपीपी की सोनेटर शेरी रहमान, सैयद नवीद कशर, सोनेटर सलीम मांडवीवाला और डॉ. आसिम हुसैन शामिल हैं।

इस घटनाक्रम के बाद राष्ट्रपति भवन से जारी बयान में कहा गया कि ‘ऐवान-ए-सद्र में हुई बैठक में 13 अक्टूबर को नेशनल असेंबली और सीनेट के अलग-अलग सत्र बुलाने पर सहमति बनी।' सूत्रों ने बताया कि केपी में आपातकाल को मंजूरी देने के लिए रविवार सुबह 9:30 बजे संघीय कैबिनेट की बैठक बुलाई गई। इसमें आपातकाल लगाने पर सहमति बन गई है। इस बीच, प्रधानमंत्री



शहबाज ने जमीयत उलेमा-ए-इस्लाम (जेयूआई-एफ) के प्रमुख मौलाना फजलुर रहमान को फोन किया और उन्हें उमराह करने पर बधाई दी।

प्रधानमंत्री ने रहमान को प्रधानमंत्री आवास पर बैठक के लिए आमंत्रित किया। प्रधानमंत्री के प्रस्ताव को उन्होंने स्वीकार कर लिया। इस दौरान मौलाना

फजलुर रहमान ने एक बार फिर प्रधानमंत्री को सुझाव दिया कि देश में चल रहे राजनीतिक संकट को खत्म करने के लिए पीटीआई के साथ बातचीत की जाए। सूत्रों ने बताया कि उन्होंने केपी में राज्यपाल शासन या आपातकाल लगाने के बजाय बातचीत के जरिए इस मुद्दे को हल करने का सुझाव दिया।

उन्हें विस्तार से जानकारी दी। जेयूआई-

फजलुर रहमान ने एक बार फिर प्रधानमंत्री को सुझाव दिया कि देश में चल रहे राजनीतिक संकट को खत्म करने के लिए पीटीआई के साथ बातचीत की जाए। सूत्रों ने बताया कि उन्होंने केपी में राज्यपाल शासन या आपातकाल लगाने के बजाय बातचीत के जरिए इस मुद्दे को हल करने का सुझाव दिया। प्रधानमंत्री ने विपक्ष के साथ बातचीत करने के सरकार के प्रयासों के बारे में

उन्हें विस्तार से जानकारी दी। जेयूआई-

गवर्नर फैसल करीम कुंडी ने कहा कि प्रांत में आपातकाल या राज्यपाल शासन लागू करने के बारे में कोई भी आधिकारिक फैसला रविवार को संघीय मंत्रिपरिषद तय करेगी। इस बीच गृहमंत्री मोहसिन नकवी ने कहा कि आपातकाल से बचने की गुंजाइश बहुत कम बची है। पत्रकारों के साथ अनौपचारिक चर्चा में गृहमंत्री ने कहा कि अब और विकल्पों की कोई गुंजाइश नहीं बची है। एक आधिकारिक अधिसूचना के अनुसार रावलपिंडी जिले में 10 अक्टूबर से 8 नवंबर तक धारा 144 लागू कर दी गई है। उल्लेखनीय है कि अपदस्थ प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी ने 4 अक्टूबर को लॉन्ग मार्च शुरू किया है। केपी में इमरान खान की पार्टी सत्तारूढ़ है।

# काला सागर में हमले के बाद तीन भारतीयों की सुरक्षित वतन वापसी, भारत ने रोमानिया का जताया आभार

बुखारेस्ट

काला सागर में हमले का शिकार हुए वाणिज्यिक जहाज एमवी रोयाद ममादोव से बचाए गए तीन भारतीय नागरिक रोमानिया से शनिवार को स्वदेश के लिए रवाना हो गए। बुखारेस्ट स्थित भारतीय दूतावास ने इसकी जानकारी देते हुए उनकी सुरक्षित वापसी में सहयोग के लिए रोमानियाई अधिकारियों, चिकित्सा कर्मियों और बचाव दलों का आभार जताया।

दूतावास के अनुसार, स्वदेश लौटने वाले भारतीय नागरिकों में साहिल संधू, अश्विनी कुमार और हरमन सिंह शामिल हैं। दूतावास ने सोशल मीडिया संच एक्स पर बताया कि तीनों की वापसी के लिए आवश्यक सहायता और व्यवस्थाएं की गईं। जहाज पर मंगलवार को हमला हुआ था, जिसके बाद तीनों भारतीयों को बचाया गया। बुधवार को भारतीय दूतावास के एक प्रतिनिधि ने उनसे मुलाकात की थी। इनमें से दो भारतीयों को होटल में ठहराया गया, जबकि घायल तीसरे



नागरिक का कॉन्स्टांटा के काउंटी अस्पताल में उपचार चल रहा था।

दूतावास ने उनकी जल्द और सुरक्षित स्वदेश वापसी सुनिश्चित करने के लिए जरूरी सहायता उपलब्ध कराई। जहाजरानी कंपनी के स्थानीय एजेंट के माध्यम से मोबाइल फोन और अन्य आवश्यक वस्तुओं को व्यवस्था की गई। इसके अलावा, उनके लिए भारतीय भोजन का भी इंतजाम किया गया।

इस घटना के बाद भारत ने काला सागर क्षेत्र में वाणिज्यिक जहाजों को निशाना बनाए जाने की निंदा की थी। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने नई दिल्ली में मीडिया ब्रीफिंग के दौरान कहा कि ऐसे हमले समुद्री व्यापार के लिए खतरा पैदा करते हैं और समुद्री क्षेत्र में काम करने वाले लोगों की जान जोखिम में डालते हैं। उन्होंने कहा कि जहाज पर तीन भारतीय नागरिक सवार थे।

तीनों सुरक्षित हैं, हालांकि उनमें से एक घायल हुआ था और उसका उपचार किया जा रहा था। जायसवाल ने इस मामले में सहायता के लिए रोमानियाई अधिकारियों के प्रति आभार व्यक्त किया। भारत ने क्षेत्र में तनाव कम करने, शांति बहाल करने और विवादों का समाधान निकालने के लिए संवाद एवं कूटनीति का रास्ता अपनाने की अपील भी दोहराई।